

डॉ. वेंडी एल. विडर, डेनियल, सत्र 5, डेनियल 2

© 2024 वेंडी विडर और टेड हिल्डेब्रांट

यह डैनियल की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. वेंडी विडर हैं। यह सत्र 5, डेनियल 2 है।

हम डेनियल अध्याय दो के लिए तैयार हैं। डेनियल अध्याय दो हमारा पहला अरामी अध्याय है। इसलिए, यदि आपको याद हो, तो इन अरामी अध्यायों में हमारे पास यह विचित्र संरचना है। तो, अध्याय दो और सात दोनों स्वप्न या दर्शन होंगे जिनमें चार सांसारिक राज्य और भगवान का पांचवां शाश्वत राज्य शामिल है।

और फिर हम इन अन्य अध्यायों के बारे में तब बात करेंगे जब हम उन तक पहुंचेंगे। तो, संरचना के संदर्भ में, हम इस संकट के बाहर हैं। हमें यह लौकिक दायरा, ईश्वर के शासन का यह लौकिक दृष्टिकोण मिल रहा है।

यह अध्याय वास्तव में परमेश्वर के श्रेष्ठ ज्ञान और उसके शाश्वत राज्य के बारे में है। इसलिए वह खुद को उन सभी बेबीलोन की बुद्धि के मुकाबले ज्ञान का सच्चा स्रोत साबित करने जा रहा है। परमेश्वर ही वह होगा जिसके पास सच्चा ज्ञान है।

वह ज्ञान का स्रोत है और उसका शाश्वत राज्य हमेशा के लिए बना रहेगा। तो, इस पुस्तक में तीन विषय हैं जो इसे पढ़ते समय बहुत स्पष्ट रूप से सामने आते हैं। फिर से, परमेश्वर की संप्रभुता, जिसे हमने अध्याय एक में उठाया था, वह है परमेश्वर द्वारा अपने राजा और उसके बर्तनों को नबूकदनेस्सर के हाथ में देना।

एक और विषय जो हम इस अध्याय में उभरता हुआ देखेंगे वह है मानव राजाओं और मानव शासकों का अभिमान, उनका अहंकार जो उनके कार्यों की विशेषता है। और फिर एक तीसरा विषय जो हम इस अध्याय में देखेंगे वह है इस तनाव की चुनौती। परमेश्वर सर्वोच्च है।

मैं एक मानव राजा, एक गौरवान्वित मानव राजा के अधीन रह रहा हूँ, जो कि भगवान के वफादार लोगों के लिए तनाव पैदा करता है। तो, हम इस पुस्तक में उन तीन विषयों को देखेंगे, और फिर हम वास्तव में उन्हें शेष पुस्तक में देखना जारी रखेंगे। इस अध्याय को अदालती कहानी के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

यह उन कहानियों या कहानियों में से एक है जो एक विदेशी बंदी को शाही दरबार में सेवा करते हुए दिखाती है और वास्तव में वहां के नियमित कर्मचारियों को मात देती है। तो, डैनियल एक सपने की व्याख्या करने के लिए राजा के सामने खड़ा होने जा रहा है जिसे राजा के विशेषज्ञ व्याख्या नहीं कर सके और वह इसे उनसे कहीं बेहतर तरीके से करने जा रहा है। लेकिन वास्तव में, कहानी का मुद्दा यह है कि डैनियल का भगवान कैसा है? यह इस बारे में नहीं है कि डैनियल कितना महान है; यह उसके भगवान के बारे में है।

यह एक लंबा अध्याय है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, मैं इसे खंड-दर-खंड पढ़ता जाऊंगा ताकि हम ट्रैक कर सकें कि हम कहां हैं। हम पद 1 से 11 तक आरंभ करेंगे, और यह खंड वास्तव में नबूकदनेस्सर के निम्न ज्ञान पर प्रकाश डालता है।

तो, उनका निम्न ज्ञान और उनके विशेषज्ञों का निम्न ज्ञान। नबूकदनेस्सर के राज्य के दूसरे वर्ष में नबूकदनेस्सर ने स्वप्न देखा। उसकी आत्मा व्याकुल हो गई, और उसकी नींद उड़ गई।

तब राजा ने आज्ञा दी, कि ज्योतिषियों, तन्त्रियों, तंत्रमंत्रियों और कसदियों को बुलाया जाए, कि वे राजा को उसका स्वप्न बताएं। अतः वे अन्दर आये और राजा के सामने खड़े हो गये। और राजा ने उन से कहा, मैं ने एक स्वप्न देखा है, और मेरी आत्मा उस स्वप्न को जानने के लिये व्याकुल है।

2 तब राजा ने आज्ञा दी कि ज्योतिषियों, तन्त्रियों, टोनहों और कसदियों को बुलाया जाए, कि वे राजा को उसका स्वप्न बताएं। तब वे राजा के पास आए और उसके सम्मुख खड़े हुए। **1** राजा ने उनसे कहा, “मैंने एक स्वप्न देखा है, और मेरा मन स्वप्न को जानने के लिए व्याकुल है।” **4** तब कसदियों ने राजा से अरामी भाषा में कहा, “हे राजा, तू चिरंजीव रहे! अपने दासों को स्वप्न बता, और हम उसका अर्थ बताएँगे।” **5** राजा ने कसदियों को उत्तर दिया, “मेरा वचन यह है कि यदि तुम मुझे स्वप्न और उसका अर्थ न बताओगे, तो तुम टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाओगे, और तुम्हारे घर उजाड़ दिए जाएँगे।” **6** परन्तु यदि तू स्वप्न और उसका फल बता दे, तो तू मुझ से दान, पुरस्कार और बड़ा सम्मान पाएगा। इसलिये मुझे स्वप्न और उसका फल बता दे।” **7** उन्होंने दूसरी बार उत्तर दिया, “राजा अपने सेवकों को स्वप्न बताएँ, और हम उसका अर्थ बताएँगे।” **8** राजा ने उत्तर दिया, “मैं निश्चय जानता हूँ कि तुम समय बढ़ाने का प्रयत्न कर रहे हो, क्योंकि तुम देख रहे हो कि मेरा वचन दृढ़ है— **9** यदि तुम मुझे स्वप्न नहीं बताओगे, तो तुम्हारे लिए केवल एक ही दण्ड है। तुम मेरे सामने झूठ और भ्रष्ट बातें बोलने के लिए सहमत हो गए हो, जब तक कि समय बदल न जाए। इसलिए मुझे स्वप्न बताओ, और मैं जान जाऊँगा कि तुम मुझे उसका अर्थ बता सकते हो।” **10** कसदियों ने राजा को उत्तर दिया, “पृथ्वी पर ऐसा कोई मनुष्य नहीं है जो राजा की माँग पूरी कर सके; क्योंकि किसी महान और शक्तिशाली राजा ने किसी जादूगर, तन्त्रकार या कसदियों से ऐसी बात नहीं माँगी।” राजा जो चीज़ पूछता है वह कठिन है, और कोई भी उसे राजा को नहीं दिखा सकता सिवाय देवताओं के, जिनका निवास मांस के साथ नहीं है।” ठीक

है, तो यह पहला भाग है। नबूकदनेस्सर को एक सपना आता है जो उसके दूसरे वर्ष में होता है। यह राजा के शासनकाल की शुरुआत है। इसलिए यह संभव है कि वह अभी भी वफ़ादारी स्थापित करने की कोशिश कर रहा हो।

आप बता सकते हैं कि उसे बुद्धिमान लोगों पर भरोसा नहीं है। पाठ वास्तव में हमें यह नहीं बताता कि ऐसा क्यों है, लेकिन वह चाहता है कि वे उसे बताएं, न कि केवल व्याख्या। वह उसे सपना नहीं बताएगा।

मुझे स्वप्न और उसका फल बताओ, तब मैं जानूँगा कि मैं तुम पर भरोसा कर सकता हूँ। तो ऐसा हो सकता है कि एक युवा राजा के रूप में, वह वफ़ादारी का परीक्षण कर रहा हो। पाठ हमें उसके दूसरे वर्ष में होने का सटीक महत्व नहीं बताता है, लेकिन यह एक संभावना है।

यह राजा का दूसरा वर्ष है। यदि आप चीजों की तारीखों और समय का ध्यान रख रहे हैं, तो आप महसूस कर सकते हैं कि यह उसके दूसरे वर्ष और अध्याय एक की घटनाओं के बीच एक कालानुक्रमिक कठिनाई पैदा करता है। इसलिए, अध्याय एक में वह इन बंदियों को तीन साल के प्रशिक्षण के लिए बेबीलोन लाता है।

उन तीन वर्षों के प्रशिक्षण के बाद, वे राजा के सामने खड़े हो सकते हैं। तो, यहाँ सवाल यह है कि, नबूकदनेस्सर के दूसरे वर्ष में डैनियल बुद्धिमान व्यक्तियों में से एक कैसे है जब उसे तीन साल के प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है? तीन साल तक प्रशिक्षण लेने के बाद, वह राजा के सामने खड़ा होता है। परन्तु हम अभी नबूकदनेस्सर के शासन के दूसरे वर्ष में हैं।

समस्या देखें? यह थोड़ा कठिन है। हम इसे कुछ तरीकों से हल कर सकते हैं। मैं आपको केवल यह बताऊंगा कि हम इसे कैसे हल कर सकते हैं।

और इसका संबंध, फिर से, इस बात से है कि हम वर्षों की गणना कैसे करेंगे, हम राजा के शासन के साथ डैनियल की प्रशिक्षुता की गणना कैसे करेंगे। तो, हमारे पास नबूकदनेस्सर का शासन है। और हमारे पास, बेबीलोनियन प्रणाली के अनुसार, उसके राज्यारोहण का वर्ष है।

और हमारे पास एक वर्ष है। और हमारे पास दो साल हैं। ठीक है? डैनियल का प्रशिक्षण।

खैर, यह पहला साल होगा। और यह 605 ईसा पूर्व है, डैनियल 1:1 के अनुसार। यह प्रशिक्षण का दूसरा साल है। यह प्रशिक्षण का तीसरा साल है।

इसलिए, बेबीलोन की वर्ष-गणना प्रणाली के अनुसार, दानियेल नबूकदनेस्सर के दूसरे वर्ष के दौरान प्रशिक्षण के अपने तीसरे वर्ष में हो सकता था। यह एक संभावना है। दूसरी संभावना यह है कि कहानी वास्तव में यह उजागर करना चाहती है कि एक प्रशिक्षु, एक विदेशी प्रशिक्षु भी, बेबीलोन के सर्वश्रेष्ठ लोगों को मात देने वाला है।

यह भी एक संभावना है। नबूकदनेस्सर ने यह सपना देखा। उसकी आत्मा व्याकुल है।

और उसकी नींद उसे छोड़ देती है। यह ऐसा कुछ नहीं है जो... अगर आपको कोई बुरा सपना आता है, तो आप जाग सकते हैं और कह सकते हैं, ओह, मुझे आधी रात को नाश्ता नहीं करना चाहिए था। आप शायद जागकर यह न कहें कि ओह माय वर्ड, इसका मेरे भविष्य के लिए क्या मतलब है? लेकिन प्राचीन निकट पूर्व में, सपने भविष्य के बारे में जानकारी और अंतर्दृष्टि के महत्वपूर्ण स्रोत थे।

बेबीलोनियन धर्म और मेसोपोटामिया धर्म के अनुसार, देवता सपनों के माध्यम से संवाद करते थे - अक्सर, लेकिन हमेशा नहीं।

लेकिन अक्सर, वे सपनों के माध्यम से संवाद करते हैं। और खासकर अगर आप राजा हैं, तो भगवान आमतौर पर या अक्सर सपनों के माध्यम से आपसे संवाद करेंगे। यह आम बात है।

इसलिए, यदि आप किसी राज्य के राजा हैं और आपको कोई परेशान करने वाला सपना आता है, तो आपको वास्तव में यह जानना होगा कि इसका क्या मतलब है। यह आपके भविष्य के लिए, एक राजा के रूप में, आपके साम्राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है। आपको यह जानने का कोई तरीका खोजना होगा कि इसका क्या मतलब है।

प्राचीन पूर्वी धर्म में, सपने भविष्यवाणी की एक बड़ी श्रेणी का हिस्सा हैं। इसलिए, भविष्यवाणी में, मेसोपोटामिया के लोगों का मानना था कि देवताओं के पास दुनिया के लिए एक योजना है। उनके पास लोगों के लिए एक योजना थी।

उनके पास राजा के लिए एक योजना थी। और उन्होंने उन योजनाओं को प्राकृतिक दुनिया में संदेशों में एनकोड किया। तो, चाहे उसका मतलब सितारों से हो, सितारों को पढ़ना हो, या सितारों के पैटर्न से।

चाहे इसका मतलब सपने हों, या फिर इसका मतलब कुछ ऐसा हो जो हमें वाकई अजीब लगे, जैसे कि जानवरों की अंतड़ियाँ पढ़ना, लीवर पढ़ना, या वाइन के गिलास में तेल पढ़ना, आप तेल पीते हैं। इसका हमारे लिए कोई मतलब नहीं है।

लेकिन इस धर्म में, इस धार्मिक व्यवस्था में, ये देवताओं के संदेश हो सकते थे। और यह बहुत महत्वपूर्ण था कि आपके पास एक विशेषज्ञ हो जो यह जानने के लिए प्रशिक्षित हो कि इसका क्या मतलब है। आप कहते हैं, आप इसका मतलब जानने के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञ कैसे हो सकते हैं? खैर, अजीब बात है, यह उनके लिए एक तरह का विज्ञान था।

इसलिए, यदि हम विज्ञान के बारे में सोचें, तो विज्ञान मानव अवलोकन पर आधारित है। और इसलिए उनके पास संकेतों के अर्थ के बारे में बहुत सारे प्राचीन रिकॉर्ड हैं। यदि किसी जानवर का जिगर एक निश्चित आकार का हो या उसमें एक अतिरिक्त लोब हो तो इसका क्या मतलब है।

यदि उन्होंने वह अनोखी चीज़ देखी, और फिर कोई घटना घटी, तो उन्होंने उसे लिख लिया। खैर, फिर वे उसी तरह का जिगर फिर से देखते हैं, और ओह, देखो, यह फिर से हुआ। ओह, हमें यहां सबूत मिल गया है।

हम डेटा एकत्र कर रहे हैं। और इसलिए, लंबे समय तक, बेहतर शब्द की कमी के कारण, यह सारी जानकारी पाठ्यपुस्तकों में सहेजी जाती है, जिसमें विशेषज्ञों को प्रशिक्षित किया गया था। वे इसका अध्ययन करेंगे ताकि उन्हें पता चल सके कि यदि आपके जानवर के पास जिगर है तो क्या होगा उस पर एक अतिरिक्त लोब।

ओह, नहीं, यह अच्छा नहीं है। या यदि आपका बछड़ा विकृत पैदा हुआ था, ओह, यह किस प्रकार की विकृति है? ओह, ठीक है, यह अच्छा है। यह बहुत बुरा है।

यह विज्ञान है। हमारे लिए यह अजीब है, लेकिन यह विज्ञान था। और इसलिए इस काम को करने के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञ मौजूद थे।

सपने इसका हिस्सा थे, लेकिन सपने थोड़े अलग थे क्योंकि सपने वास्तव में आधी रात के खराब नाशते का परिणाम हो सकते हैं। यह थोड़ा अधिक व्यक्तिपरक है, और इसे कोई भी नहीं देख सकता है। इसलिए, यदि आपका लीवर विकृत है, या आपके पास जानवरों की अंतड़ियाँ हैं, तो आप कुछ लोगों को इसे देखने के लिए कह सकते हैं और कह सकते हैं, ओह, हाँ, उह-हह, हम सभी इसे देखते हैं।

इसका यही मतलब है। अगर आप कोई सपना देखते हैं, तो कोई और नहीं जानता कि वह क्या है। हम बस यही सोचते हैं, ठीक है, आप हमें बताइए कि वह क्या था।

क्या यह पिज़्ज़ा था, या यह था? ठीक है, यह एक महत्वपूर्ण संदेश है। इसलिए, वे थोड़े पेचीदा हैं। इसलिए अक्सर, सपनों को पुष्टि के लिए दूसरे स्रोत की आवश्यकता होती है।

इसलिए किसी अन्य प्रकार की भविष्यवाणी, किसी अन्य प्रकार का संदेश होना चाहिए था। इस व्याख्यान के लिए, हम डैनियल 7 में हैं। और मैंने डैनियल 7 का शीर्षक रखा है, ईश्वर का श्रेष्ठ राजा और उसका शाश्वत साम्राज्य। डैनियल की पुस्तक में हम कहां हैं, इसके संदर्भ में, हम अपनी अरामी चिस्टिक संरचना में अंत, अंतिम अध्याय तक पहुंच गए हैं।

तो, आपको याद होगा, हमने अध्याय 2 से शुरुआत की थी, नबूकदनेस्सर ने इस मूर्ति का सपना देखा था। अध्याय 3, शद्रक, मेशक और अबेदनगो को धधकते भट्टे का सामना करना पड़ा। अध्याय 4, नबूकदनेस्सर ने एक शानदार पेड़ का सपना देखा है, और अंततः उसके गौरव के लिए उसका न्याय किया गया।

अध्याय 5, बेलशस्सर दीवार पर लिखी हुई लिखावट देखता है, और उसे संदेश मिलता है कि उसे परमेश्वर द्वारा न्याय दिया जाएगा, जो कि उसे तुरंत ही मिल जाता है। उसका राज्य दारा के पास चला जाता है, जो अध्याय 6 में दिखाई देता है, जहाँ दानिय्येल को परमेश्वर के प्रति अपनी वफ़ादारी के कारण शेरों का सामना करना पड़ता है। अध्याय 7, दानिय्येल को एक दर्शन होता है जिसमें वह इस अशांत, अराजक समुद्र से जानवरों को बाहर निकलते हुए देखता है।

और फिर उसे इस शाश्वत राज्य का दर्शन होता है जो परमेश्वर के पास है। इसलिए, हमारी संरचना के संदर्भ में, अध्याय 2 और अध्याय 4 समान हैं। वे दोनों चार मानवीय राज्यों, चार सांसारिक राज्यों और फिर परमेश्वर के पाँचवें शाश्वत राज्य के बारे में बात कर रहे हैं, जो उन सभी को पार कर जाएगा, यहाँ तक कि उन सभी को नष्ट कर देगा, और फिर हमेशा के लिए कायम रहेगा।

इस अध्याय के कालक्रम में, हम पीछे जा रहे हैं। हमारी समयरेखा के अनुसार, हमने यहोयाकीम के तीसरे वर्ष से शुरुआत की, जो नबूकदनेस्सर के शासनकाल की शुरुआत थी। फिर, हम नबूकदनेस्सर के दूसरे वर्ष में थे।

उन्होंने अध्याय 3 में एक मूर्ति बनाई। हम नहीं जानते कि कब। अध्याय 4 नबूकदनेस्सर के करियर के अंत के करीब है। अध्याय 5 हमें 539 में बेबीलोन के पतन के समय बेलशस्सर तक ले जाता है।

अध्याय 6 539-ईश है, क्योंकि डेरियस द मेडे राजा है, शायद अपने करियर की शुरुआत में। अध्याय 7, हम वापस जा रहे हैं। अब हम बेलशस्सर के प्रथम वर्ष में हैं।

डैनियल की पुस्तक में अध्याय 7 वास्तव में महत्वपूर्ण है, वास्तव में लगभग वस्तुतः महत्वपूर्ण है। तो, आप इस चियास्टिक संरचना से परिचित हैं और कैसे डैनियल 7 इसका हिस्सा है। तो, यह अरामी है, और यह विषयगत रूप से अध्याय 2 से जुड़ा हुआ है, इस पूरी चीज़ को एक साथ रखता है।

लेकिन दानिय्येल 7 भी शैली में बदलाव है। इसलिए, हम यहाँ कथा से हटकर, उन कहानियों से हटकर जिन्हें हम छह अध्यायों से देख रहे थे, और अब, अध्याय 7 से शुरू करके, हम सर्वनाशकारी दर्शनों को देखने जा रहे हैं। इसलिए, दानिय्येल 7 पुस्तक के पहले भाग को एक साथ रखता है, लेकिन यह वास्तव में अपनी शैली में दूसरे भाग से जुड़ा हुआ है।

और यह वास्तव में एक ऐसा दर्शन प्रस्तुत करता है जिसे अन्य दर्शन पूर्ण करेंगे और कुछ विवरण भरेंगे। इसलिए, यह वास्तव में वह भी है जिसे मैं पुस्तक का हृदय और आधार मानता हूँ। इसलिए, दानिय्येल 7 में, हम परमेश्वर के राज्य का यह ब्रह्मांडीय दृश्य देखेंगे।

और इस दृश्य के मध्य में, हमें सिंहासन कक्ष का यह आश्चर्यजनक दृश्य दिखाई देता है। इस सिंहासन कक्ष को देखने के साथ-साथ, हम देखते हैं कि मनुष्य के पुत्र जैसा कोई व्यक्ति राज्य प्राप्त करता है, और संत इस शाश्वत राज्य पर हमेशा के लिए शासन करेंगे। यह गौरवशाली तस्वीर है, उत्पीड़ित लोगों के लिए यह प्रोत्साहन है, कि आगे एक पुरस्कार है, कि यह गौरवशाली विरासत उनकी होने वाली है।

एक बार जब हम अध्याय 7 से बाहर निकल जाते हैं, तो प्रोत्साहन बहुत कम हो जाता है। यह अध्याय 7 जितना गौरवशाली नहीं है। अध्याय 7 प्रोत्साहन की दृष्टि से शानदार है जो इसे प्रदान करता है। और यदि आप वह प्रोत्साहन लेते हैं, तो यह आपको शेष पुस्तक तक पहुँचा सकता है।

आप इस शाश्वत प्रतिफल, संतों की इस विरासत, ईश्वर के इस गौरवशाली साम्राज्य की लंबी दृष्टि बनाए रखें। इसलिए पुस्तक में अध्याय 7 बहुत शानदार और महत्वपूर्ण है। यह वास्तव में वह अध्याय है जो लोगों को पुस्तक को बड़े करीने से विभाजित करने से रोकता है।

आप इसे शैली के आधार पर विभाजित करने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन अध्याय 7 आपको भाषा से जोड़ता है। यदि आप इसे भाषा के आधार पर विभाजित करने का प्रयास करते हैं, तो अध्याय 7 आपको वापस सर्वनाश से जोड़ने जा रहा है। इसलिए, आप किताब को अलग नहीं कर सकते।

अध्याय 7 इसे एक साथ रखता है। और मुझे लगता है कि जिस दृष्टिकोण को यह चित्रित करता है और जो आशा और प्रोत्साहन देता है, उसे देखते हुए यह उचित है। तो, आइए इस बारे में थोड़ी बात करें कि यह किस प्रकार का साहित्य है।

अध्याय 7 सर्वनाशकारी साहित्य है। अपोकलिप्टिक साहित्य वास्तव में एक बड़े समूह या बड़े प्रकार के साहित्य का हिस्सा है जिसे दूरदर्शी साहित्य कहा जाता है। दूरदर्शी साहित्य में, आपके पास एक प्रकार का लेखन होता है जिसमें लेखक या लेखक लेखन के समय चीजों को देखता है और उन चीजों को चित्रित करता है जो उनकी कल्पना में मौजूद हैं या जो वे देख रहे हैं लेकिन अभी तक एक अनुभवजन्य वास्तविकता नहीं हैं।

यह परिभाषा काफी हद तक लेलैंड रेक एन से आती है। उनके पास बाइबल को साहित्य के रूप में कैसे पढ़ा जाए और इससे अधिक लाभ कैसे उठाया जाए, इस पर एक बेहतरीन किताब है। तो, इस दूरदर्शी साहित्य के बारे में और इसे कैसे अपनाया जाए, इसके बारे में मेरे बहुत सारे विचार उनके संसाधन से आते हैं।

तो, दर्शन स्वयं उन चीजों को चित्रित कर सकते हैं जो वस्तुतः घटित होंगी, लेकिन वे इसे प्रतीकात्मक रूप से करते हैं। इसलिए भले ही वे उन चीजों को चित्रित कर रहे हैं जो वास्तव में घटित हो सकती हैं, आपको यह पता लगाने के लिए प्रतीकवाद को सुलझाना होगा कि वे चीजें क्या हैं। इसलिए, वे शाब्दिक घटनाओं का चित्रण कर सकते हैं, लेकिन प्रतीकात्मक विवरण आवश्यक रूप से उन घटनाओं का शाब्दिक प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

तो, दूरदर्शी साहित्य की इस छतरी के नीचे, यदि आप इस तरह से सोचना चाहते हैं, तो हमारे पास भविष्यसूचक साहित्य है, या सिर्फ भविष्यवाणी है जो मैं कहूंगा, और हमारे पास सर्वनाश है। वे चीजें साझा करते हैं, लेकिन वे समान नहीं हैं। वे बस विनिमेय नहीं हैं।

हम एक सेकंड में इनमें से कुछ अंतरों पर वापस आएं। दूरदर्शी साहित्य लेखक के विशेष उद्देश्य के आधार पर कई अलग-अलग प्रकार के संदेश प्रस्तुत करता है। यह अक्सर उत्पीड़ित लोगों को प्रोत्साहन देता है, या यह उत्पीड़क को चेतावनी दे सकता है कि सजा आ रही है।

तो, यह या तो उत्पीड़ितों से बात कर सकता है, यह उत्पीड़क को चेतावनी दे सकता है, और इन सबके बीच, यह उन लोगों को विश्वास के लिए बुलाता है जो ईश्वर की सच्चाई और मानवीय ज्ञान के बीच डगमगा रहे हैं। जब हम सर्वनाशी साहित्य के बारे में बात करते हैं, तो मेरे लिए यह कहना आसान होता है कि इसमें कुछ सामान्य विशेषताएं हैं जो इसे देखने पर हमें इसे पहचानने में मदद करती हैं। ये चीजें जिनके बारे में मैं बात करने जा रहा हूँ, जरूरी नहीं कि वे सभी साहित्य के किसी एक टुकड़े में मौजूद हों।

विद्वान जो खोजते हैं वह प्रतीकों का एक समूह, विशेषताओं का एक समूह है, इसलिए इनमें से कई लक्षण साहित्य के एक टुकड़े में स्पष्ट हैं। तो, पहली चीज़, सबसे आसान, बहुत अधिक प्रतीकवाद है। सर्वनाशकारी साहित्य के बारे में संभवतः सबसे कठिन काम प्रतीकवाद से निपटने का प्रयास करना है।

इसके अलावा, इस तरह के साहित्य में दर्शन और पारलौकिक यात्राएं बहुत आम हैं। तो, आपका द्रष्टा, आपका वह व्यक्ति जो दर्शन देख रहा है, किसी अन्य दुनिया में यात्रा पर हो सकता है, और उनके पास अक्सर एक अलौकिक या एक देवदूत दुभाषिया होगा जो उन्हें उन चीजों को समझने में मदद करेगा जो वे देख रहे हैं। अक्सर, दूरदर्शी, द्रष्टा, सुदूर अतीत का एक प्रसिद्ध, सम्मानित व्यक्ति होता है, जैसे इब्राहीम या हनोक या कुलपतियों में से एक, और वह नाम देखने वाले व्यक्ति द्वारा लिया जाएगा, और वे उसे उस नाम के रूप में उपयोग करेंगे जिसके तहत वे लिखते हैं।

तो, यह छद्म नाम है। क्या मैंने वह सही बोला? मुझे भी ऐसा ही लगता है। यह एक गुमनाम लेखक है।

वे एक अलग नाम, एक नकली नाम लेते हैं, ऐसा कहा जा सकता है, और इसे उस दृष्टि पर लागू करते हैं जो वे देख रहे हैं। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि हो सकता है कि वे कुछ भी न हों, लेकिन वे इस नाम को अपना रहे हैं जिसका लोग सम्मान करते हैं और एक ऐसी परंपरा का उपयोग कर रहे हैं जिसका सम्मान उस नाम के साथ किया जाता है ताकि वे उस दृष्टिकोण को संप्रेषित कर सकें जो उनके पास है। खातों में अक्सर धर्मी लोगों का उत्पीड़न, ब्रह्मांडीय विनाश, अंतिम निर्णय, दुनिया का विनाश और फिर अक्सर मनोरंजन शामिल होगा।

हम इन दोनों प्रकार के साहित्य के बीच अंतर कैसे बता सकते हैं? ऐसी कई चीजें हैं जो एक की विशेषता हैं और दूसरे की नहीं। तो, भविष्यवाणी में, हम अक्सर जो कुछ देखते हैं वह यह है कि प्रभु इस प्रकार कहते हैं, या प्रभु ऐसा कहते हैं, और फिर भविष्यवक्ता वह कहता है जो प्रभु ने उसे कहने के लिए कहा है। आप वास्तव में सर्वनाशकारी साहित्य में इतना कुछ नहीं देखते हैं।

आप जो देखते या सुनते हैं वह एक रहस्योद्घाटन है जो दर्शन के माध्यम से दिया गया है। तो, आपको बस दृष्टि प्राप्त होती है। प्रभु कहते हैं, आपके पास इसकी प्रस्तावना इस प्रकार नहीं है।

यह एक विज्ञान रिपोर्ट है। भविष्यवाणी में, वे अक्सर वास्तविक समय के साथ, वास्तविक लोगों के साथ उनके वास्तविक समय में जुड़े रहेंगे। तो, जब यशायाह, वास्तविक व्यक्ति, जीवित था तब यशायाह लोगों को भविष्यवाणी कर रहा था।

सर्वनाशकारी साहित्य में, जैसा कि मैंने अभी कहा, कभी-कभी वे अतीत के सम्मानित लोगों के नामों का सहारा लेंगे। तो, यह उनके वर्तमान समय में एक वास्तविक व्यक्ति नहीं है। सर्वनाशकारी साहित्य में यह आम बात है।

भविष्यवाणी में, भविष्यवक्ता आम तौर पर अपनी तात्कालिक स्थिति के बारे में बात कर रहे होते हैं। वे उन चीजों पर बात कर रहे हैं जिनका सामना उनके लोग उस समय कर रहे हैं। वे भविष्य के लिए भगवान के प्रोत्साहन की बात कर रहे हैं।

वे जो कह रहे हैं, उसकी पूर्ति भविष्य में भी हो सकती है, लेकिन वे उस मुद्दे को संबोधित कर रहे हैं जिसका सामना उनके लोग उस समय कर रहे हैं। सर्वनाश साहित्य के साथ, आपको कभी-कभी यह बाद की भविष्यवाणी मिलेगी, जहाँ पूर्व-घटना भविष्यवाणी होती है। तो, भविष्यवक्ता, अतीत से यह नाम, इतिहास को इस तरह बता रहा है जैसे कि यह एक भविष्यवाणी हो।

यह ऐसी चीजें हैं जो दर्शक शायद पहले से ही जानते हैं, और फिर यह अतीत में भगवान के हाथ को देखकर लोगों को प्रोत्साहित करने के इरादे से भविष्य में थोड़ा सा प्रोजेक्ट करता है। उस प्रोत्साहन के साथ, वे उम्मीद कर सकते हैं और इस तथ्य पर भरोसा कर सकते हैं कि वह भविष्य में काम करना जारी रखेगा। सर्वनाश में फिर से प्रतीकवाद बहुत व्यापक है।

भविष्यवाणी में प्रतीकात्मकता का उपयोग किया जाता है, लेकिन लगभग उसी हद तक नहीं। एक और काफी महत्वपूर्ण अंतर यह है कि भविष्यवाणी में, यह जागरूकता होती है कि दुनिया इस बिंदु पर भगवान के आदर्श को पूरा नहीं करती है। यह त्रुटिपूर्ण है।

यह टूट गया है। यह पापपूर्ण है, लेकिन अंततः वह इसे बदल देगा। वह चीजें नई बनाने जा रहा है।

वह इसे ठीक करने जा रहा है। सर्वनाशकारी साहित्य के लिए, चीजें इतनी खराब हैं कि केवल स्लेट को साफ करना और पूरी तरह से शुरू करना संभव है। लौकिक आपदा ही इसे ठीक करने का एकमात्र तरीका है।

सर्वनाशकारी साहित्य और भविष्यवाणी के बारे में आखिरी बात जिसे मैं उजागर करना चाहता हूँ वह प्राथमिक में से एक है... यह शक्ति वाला ईश्वर है। यह बुद्धि वाला परमेश्वर है। मैं यहां कुछ चीजों को छोड़ रहा हूँ।

फिर, हम अध्याय के सबसे लंबे खंड पर पहुँचते हैं। यह श्लोक 24 से 45 तक है। यहीं पर दानियेल वास्तव में राजा के स्वप्न और व्याख्या को प्रकट करता है।

यह भगवान के श्रेष्ठ ज्ञान और स्वप्न के अर्थ को प्रदर्शित करता है। मुझे लगता है कि मैं इसे तोड़ने जा रहा हूँ। मैं यह सब एक साथ नहीं पढ़ने जा रहा हूँ।

यह खंड अध्याय का चरमोत्कर्ष है। यह झगड़ों को सुलझाता है। डैनियल और उसके दोस्तों के मारे जाने के बारे में संघर्ष का ध्यान रखा गया है क्योंकि डैनियल के पास राजा के लिए उत्तर है।

फाँसी की सज़ा हो चुकी है। इससे राजा की अपने सपने का अर्थ न जानने की समस्या भी हल हो जाती है। यह चरमोत्कर्ष और संकल्प है।

इसलिये दानियेल अर्योक में गया, जिसे राजा ने बेबीलोन के पण्डितों को नाश करने के लिये नियुक्त किया था। उसने जाकर उससे यों कहा, बाबुल के पण्डितोंको नाश न कर। मुझे राजा के पास ले चलो।

मैं राजा को व्याख्या बताऊंगा। तब अर्योक ने दानियेल को तुरन्त राजा के साम्हने ले जाकर उस से इस प्रकार कहा, यहूदा के बन्धुओं में से मुझे एक पुरूष मिला है, जो राजा को फल बता सकता है। अच्छा, अब, एक मिनट रुकें।

क्या अर्योक ने उसे ढूँढ़ लिया? मुझे ऐसा लगता है कि डेनियल ने स्वेच्छा से काम किया है। मुझे नहीं पता। हो सकता है उसका इरादा श्रेय लेने का हो। शायद वह अच्छा दिखने की कोशिश कर रहा है। या हो सकता है कि उसे वास्तव में राहत मिली हो कि वह बुद्धिमान लोगों का वध करना बंद कर सकता है। मुझे यकीन नहीं है।

यह डेनियल और अन्य विशेषज्ञों के बीच विरोधाभास स्थापित करता है। अतः अर्योक के अनुसार दानिय्येल, यहूदा से निर्वासितों में से है। अध्याय एक से, हमें याद रखना चाहिए, ओह, यहूदा से निर्वासित लोग; वे इन सभी मायनों में श्रेष्ठ हैं।

ये वही हैं जिन्हें परमेश्वर ने नबूकदनेस्सर के हाथ में सौंप दिया था। इस डेनियल का ईश्वर बेबीलोन के सभी विशेषज्ञों से भिन्न है। आयत 26 में राजा ने दानिय्येल से, जिसका नाम बेलतशस्सर था, कहा, क्या तू मुझे वह स्वप्न जो मैं ने देखा है, और उसका फल बता सकता है? दानिय्येल ने राजा को उत्तर देकर कहा, जिस भेद के विषय में राजा ने पूछताछ की है, उसे न तो बुद्धिमान लोग, न तन्त्री, न ज्योतिषी, न भविष्य कहनेवाले राजा को बता सकते हैं।

हालाँकि, स्वर्ग में एक परमेश्वर है जो रहस्यों को प्रकट करता है और उसने राजा नबूकदनेस्सर को बताया है कि अंतिम दिनों में क्या होगा। यह तुम्हारा सपना था और तुम्हारे बिस्तर पर तुम्हारे मन में उनके दर्शन थे। ठीक है, तो सबसे पहले दानिय्येल ने स्वीकार किया, वे बुद्धिमान पुरुष सही थे।

तुमने कुछ ऐसा पूछा जो संभव नहीं था। लेकिन राजा, तुम्हारे लिए सौभाग्य की बात है कि स्वर्ग में एक परमेश्वर है जो रहस्यों को प्रकट करता है। इस परमेश्वर ने इस सपने के माध्यम से नबूकदनेस्सर को रहस्य प्रकट किया, और फिर उसने दानिय्येल को भी सपने का रहस्य और उसका अर्थ बताया।

यह परमेश्वर बाबुल के सभी जादूगरों और सभी देवताओं से श्रेष्ठ है। दानिय्येल ने कहा कि ये घटनाएँ अंतिम दिनों या आने वाले दिनों में घटित होने वाली थीं। पुराने नियम में यह एक अस्पष्ट संदर्भ है।

इसका अर्थ आवश्यक रूप से दुनिया का अंत नहीं है, बल्कि यह कुछ ऐसा है जो भविष्य में किसी दिन घटित होने वाला है। श्लोक 29: हे राजा, जब तू अपने बिस्तर पर लेटा था, तब तेरे मन में यह विचार आया कि भविष्य में क्या होने वाला है, और जो रहस्यों को प्रकट करता है, उसने तुझे बताया है कि क्या होने वाला है। मेरे लिए, यह रहस्य मुझ पर किसी अन्य जीवित व्यक्ति की तुलना में मुझमें अधिक ज्ञान के निवास के कारण नहीं, बल्कि राजा को अर्थ बताने के उद्देश्य से प्रकट किया गया है ताकि तू अपने मन के विचारों को समझ सके।

दानिय्येल को यहाँ कोई जल्दी नहीं है। इसलिए, याद रखें कि उसने अभी-अभी एक फाँसी रोक़ी है। अरिओक नबूकदनेस्सर के सामने जल्दी से आ गया है।

आप शायद डेनियल से यही उम्मीद कर रहे होंगे कि वह कहेगा, मुझे जवाब मिल गया है। मैं आपको बता दूँ। इसके बजाय, हम कई आयतों में हैं, और वह अभी भी उन सपनों के बारे में बात

कर रहा है जो आपने अपने बिस्तर पर देखे थे। आपको यह भगवान से मिला है, और वही रहस्यों को प्रकट करता है।

स्पष्ट रूप से, यहाँ डैनियल के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण है वह वास्तविक सपना नहीं है, बल्कि यह तथ्य है कि ईश्वर ही वह है जो रहस्यों को प्रकट करता है। ईश्वर वह है जिसके पास नबूकदनेस्सर से भी श्रेष्ठ ज्ञान और बुद्धि है। डैनियल का कहना है कि वह किसी और से ज्यादा चालाक नहीं है।

केवल ईश्वर ही जानता है, और उसने ही इसे प्रकट करने के लिए चुना है। ठीक है, आखिरकार, हम सपने तक पहुँच गए। श्लोक 31: हे राजा, तू ने दृष्टि की, और क्या देखा, कि एक बड़ी मूरत है।

वह मूर्ति, जो बड़ी और असाधारण शोभा वाली थी, तुम्हारे सामने खड़ी थी, और उसका रूप अद्भुत था। उस मूर्ति का सिर उत्तम सोने का, उसकी छाती और उसकी भुजाएँ चाँदी की, उसका पेट और उसकी जाँघें पीतल की, उसके पैर लोहे के, उसके पैर कुछ-कुछ लोहे के और कुछ-कुछ मिट्टी के बने थे। आप तब तक देखते रहे जब तक कि एक पत्थर बिना हाथों के नहीं काटा गया और उसने मूर्ति के लोहे और मिट्टी के पैरों पर प्रहार किया और उन्हें कुचल दिया।

तब लोहा, मिट्टी, पीतल, चाँदी और सोना सब एक ही समय में चूर-चूर हो गए, और धूप के खलिहानों की भूसी के समान हो गए, और पवन उन्हें ऐसा उड़ा ले गई कि उनका कोई निशान भी न मिला। परन्तु जो पत्थर मूर्ति पर लगा वह एक बड़ा पहाड़ बन गया और सारी पृथ्वी में भर गया। तो, राजा ने इस विशाल मूर्ति को देखा जो शानदार थी क्योंकि यह बहुत शानदार और विशाल थी।

यह चार अलग-अलग धातुओं से बना है। इसका सिर सोने का, धड़ और भुजाएँ चाँदी की, पेट और जाँघें पीतल की, टांगें लोहे की और पैर लोहे की मिट्टी के हैं। तभी यह चट्टान आती है और मूर्ति को तोड़ देती है, पैरों को तोड़ देती है और उससे पूरी मूर्ति चूर-चूर हो जाती है।

यह एक साथ टुकड़ों में टूट जाता है। फिर, यह असाधारण चट्टान एक पहाड़ बन जाती है जो पूरी धरती को भर देती है। इसलिए, प्राचीन निकट पूर्वी साहित्य में, सोने, चाँदी, कांस्य, लोहे, मिट्टी और यहां तक कि मूर्ति और इस दृष्टि का यह विचार जो राजाओं और राज्यों का अर्थ बनने जा रहा है, एक परिचित योजना है।

यह सिर्फ नबूकदनेस्सर के सपने में ही नहीं है। जो हम नहीं जानते, उसके बारे में हम थोड़ी देर में बात करेंगे। प्राचीन पूर्वी कहानियों में जो हमें कहीं और नहीं मिलता, वह है यह पत्थर। इस अलौकिक पत्थर जैसा कुछ और नहीं है जो मूर्ति से टकराता है और धरती को भर देता है।

हालाँकि, हम बाइबल में इसके बारे में अन्यत्र सुनते हैं। यशायाह ने प्रभु के भवन के पर्वत के बारे में बात की है जो पहाड़ों में सबसे ऊँचा है। वह पृथ्वी को प्रभु की महिमा से भरने, पृथ्वी को प्रभु के ज्ञान से भरने की बात करता है, और पूरे भजन में हमें परमेश्वर का प्रतिनिधित्व करने वाली चट्टानें मिलती हैं।

तो, यह इस बात का हिस्सा हो सकता है कि पत्थर यहाँ की कल्पना का हिस्सा क्यों है। कम से कम, हमारे सपने का वास्तव में यह अशुभ अंत है। इस चट्टान ने इस भव्य मूर्ति को चूर-चूर कर दिया है और इससे पूरी पृथ्वी भर गई है।

अब हम सस्पेंस में हैं। फिर डैनियल आगे बढ़ता है, श्लोक 36, वह सपना था। अब हम राजा के सामने उसका अर्थ बतायेंगे।

हे राजा, तू राजाओं का राजा है, जिसे स्वर्ग के परमेश्वर ने राज्य, शक्ति, सामर्थ्य और महिमा दी है। और जहाँ कहीं मनुष्य वा मैदान के पशु वा आकाश के पक्षी रहते हैं, उस ने उनको तेरे वश में कर दिया, और तुझे उन पर प्रभुता कर दी। आप सोने के सिर हैं।

तेरे बाद एक और राज्य उठेगा जो तुझसे छोटा होगा, फिर पीतल का एक तीसरा राज्य उठेगा जो सारी पृथ्वी पर राज्य करेगा। फिर एक चौथा राज्य होगा जो लोहे के समान मजबूत होगा, और जितना लोहा सब वस्तुओं को चूर-चूर कर देता है, वैसे ही वह लोहे के समान टुकड़े-टुकड़े करके इन सब को चूर-चूर कर देगा। उसमें तूने पाँव और उँगलियाँ देखीं, जो कुछ तो मिट्टी की और कुछ तो लोहे की थीं।

यह एक विभाजित राज्य होगा, लेकिन इसमें लोहे की कठोरता होगी, जैसा कि आपने लोहे को सामान्य मिट्टी के साथ मिला हुआ देखा था। जैसे पैरों की उँगलियाँ आंशिक रूप से लोहे की और आंशिक रूप से मिट्टी के बर्तनों की थीं, राज्य का कुछ हिस्सा मजबूत होगा, और इसका कुछ हिस्सा भंगुर होगा। जैसा कि आपने लोहे को सामान्य मिट्टी के साथ मिला हुआ देखा, वे मनुष्यों की सीट पर एक दूसरे के साथ मिल जाएँगे, लेकिन वे एक दूसरे से चिपकेंगे नहीं, जैसे लोहा मिट्टी के बर्तनों के साथ नहीं जुड़ता।

उन राजाओं के दिनों में, स्वर्ग का परमेश्वर एक ऐसा राज्य स्थापित करेगा जो कभी नष्ट नहीं होगा। वह राज्य किसी और के हाथ में नहीं छोड़ा जाएगा। वह इन सभी राज्यों को कुचल देगा और खत्म कर देगा, लेकिन वह हमेशा के लिए कायम रहेगा।

जैसा कि तुमने देखा कि बिना किसी के हाथ के पहाड़ से एक पत्थर काटा गया और उसने लोहे, पीतल, मिट्टी, चांदी और सोने को चूर-चूर कर दिया, महान परमेश्वर ने राजा को बताया कि भविष्य में क्या होने वाला है। इसलिए, सपना सच है और इसकी व्याख्या विश्वसनीय है। तो यह राजा का सपना और राजा की व्याख्या है।

हमारे पास लगातार साम्राज्यों, लगातार राजाओं का उत्थान और पतन है, और इन साम्राज्यों की पहचान करने पर बहुत ध्यान दिया गया है। हमें सपने में चार साम्राज्य मिले हैं, लेकिन ईमानदारी से, उन्हें ठीक से पहचानना सपने को समझने के लिए, सपने के संदेश को समझने के लिए आवश्यक नहीं है। संदेश ज़ोरदार और स्पष्ट है।

परमेश्वर सर्वोच्च है। उसका शाश्वत राज्य इन सभी अन्य राज्यों को पीछे छोड़ देगा, नष्ट कर देगा, और उनसे अधिक समय तक बना रहेगा। और यह स्वप्न दानियेल के स्तुतिगान में सामने आए विषयों को चित्रित कर रहा है।

परमेश्वर राजाओं को ऊपर उठाता है और उन्हें नीचे गिराता है। वही है जो शक्ति और ताकत देता है। हमें बताया गया है कि नबूकदनेस्सर सोने का सिर है।

हे राजा, आप सोने के सिर हैं। फिर एक दूसरा राज्य है जो निम्न है। फिर एक तीसरा राज्य है जो अलग है क्योंकि उसका शासन विश्वव्यापी है।

और फिर हमारे पास यह चौथा राज्य है जो शक्तिशाली और विनाशकारी है, इसलिए यह निर्दयी और विनाशकारी है। और फिर भी इसमें यह विभाजन है, यह ताकत और कमजोरी का संयोजन है। तो, ये राज्य कौन हैं? जब हम सातवें अध्याय में पहुँचेंगे तो हम इस पर और अधिक चर्चा करेंगे, लेकिन मैं आपको उनमें से कुछ के बारे में बताने में बस कुछ मिनट बिताना चाहता हूँ, यह बताते हुए कि राज्यों के ये दृष्टिकोण कैसे हैं।

तो, मैं बस इतना ही कहूँगा कि बेबीलोन के बाद के राज्यों की पहचान के बारे में कोई आम सहमति नहीं है। इसलिए, डैनियल ने कहा कि पहला राज्य बेबीलोन है। हम सभी इस बात से सहमत हैं। फिर, उसके बाद, दो प्राथमिक विचार हैं, और वे इस बात पर आधारित हैं कि वे चौथे राज्य के रूप में किसे पहचानते हैं।

तो, हमारे पास नबूकदनेस्सर का सपना है। सपने में, वह एक सोने का सिर देखता है। वह एक चांदी का धड़ देखता है।

वह एक कांस्य पेट, लोहे के पैर, मिट्टी के लोहे के पैर और एक चट्टान देखता है। तो ये अलग-अलग घटक हैं।

दानियेल ने इस सपने के बारे में जो कहा है, तो दानियेल ने जो व्याख्या की है, वह बहुत सरल है। मुझे दानियेल की व्याख्या बहुत पसंद है क्योंकि यह बहुत सरल है। व्याख्या।

ठीक है, सोने का सिर, नबूकदनेस्सर, तुम ही हो। चांदी का बक्सा दूसरा राज्य है, एक निम्न राज्य जो नबूकदनेस्सर के बाद उत्पन्न हुआ। तीसरा एक तीसरा राज्य है जो पूरी धरती पर शासन करता है।

चौथा एक चौथा साम्राज्य है। यह बाकी सभी को कुचलता और तोड़ता है। यह विभाजित है, पैर और पैर की उंगलियाँ आंशिक रूप से मजबूत, आंशिक रूप से भंगुर, आदि।

चट्टान परमेश्वर का राज्य है, जिसके बारे में दानियेल कहता है कि यह हमेशा कायम रहेगा और सभी मानव राज्यों को नष्ट कर देगा। इसलिए आप उस हिस्से पर पूरी तरह से विश्वास कर सकते हैं। फिर हमारे पास दो मुख्य दृष्टिकोण और एक छोटा दृष्टिकोण है जिसे आप कुछ स्थानों पर देखेंगे।

ठीक है, तो पहला दृष्टिकोण रोमन दृष्टिकोण है। यह वास्तव में पारंपरिक दृष्टिकोण है, और वास्तव में, यह बाइबल के कुछ संस्करणों में निहित है।

अगर आपके पास ऐसी बाइबल है जो आपको उपशीर्षक देती है, तो वे वास्तव में पहचान सकते हैं कि दानियेल द्वारा व्याख्या किए गए राज्य क्या हैं। उन्हें ऐसे नाम दें जो दानियेल ने नहीं दिए हैं। तो, जो बात मायने रखती है, वह यह है कि वे प्रेरित नहीं हैं।

ठीक है, तो रोमन दृष्टिकोण में, याद रखें, इनका नाम चौथे साम्राज्य की पहचान के लिए रखा गया है। तो, हम इसे तुरंत भर सकते हैं। वे कहते हैं कि चौथा साम्राज्य रोम है।

हम उस पर वापस आएं। पहला राज्य बेबीलोन है। दूसरा राज्य मादी-फारस है। तीसरा राज्य ग्रीस है। रोम और लौह मिट्टी के पैरों को आमतौर पर किसी प्रकार के पुनर्जीवित रोमन साम्राज्य या पुराने रोमन साम्राज्य के विस्तार के रूप में समझाया जाता है। और फिर, निःसंदेह, चट्टान परमेश्वर का राज्य है, जो मसीह के पहले और दूसरे आगमन दोनों में स्थापित है।

यह पारंपरिक दृष्टिकोण है। फिर हमारे पास यूनानी दृष्टिकोण है। उफ़, ठीक है, मैं इसे यहाँ रखूँगा।

चौथे राज्य की पहचान के लिए यूनानी दृष्टिकोण, फिर से, ग्रीस है। सोने का सिर नबूकदनेस्सर और या बेबीलोन का पूरा राज्य है। इस दृष्टिकोण में कुछ भिन्नताएँ हैं।

तो, डैनियल ने बस इतना कहा कि नबूकदनेस्सर सोने का सिर था। उसने बेबीलोन के बारे में सब कुछ नहीं कहा। तो, आप इसे थोड़ा छेड़ सकते हैं।

यह सिर्फ नबूकदनेस्सर ही हो सकता है। यह बेबीलोन हो सकता है। चांदी मीडिया है।

कांस्य फारस है। और चौथा राज्य ग्रीस है, जिसकी शुरुआत सिकंदर महान से होती है। और इसका अंत सिकंदर के उत्तराधिकारियों के बीच अंतर्विवाह के इस घिनौने इतिहास में होता है।

तो, सेल्यूसिड्स, टॉलेमीज़, जिनके बारे में हम बाद में बात करेंगे। तो वह चौथा साम्राज्य है। और निःसंदेह, यह परमेश्वर का राज्य है।

फिर गोल्डिंगे का एक और दृष्टिकोण है, और कुछ अन्य टिप्पणीकार जो मेरे साथ नहीं हैं, उनके पास चार राजाओं का दृष्टिकोण है। वह ग्रीस माना जाता है। वह यूनानी दृष्टिकोण है।

चार राजा। तो यह इस तथ्य पर आधारित है कि डैनियल नबूकदनेस्सर से कहता है, तुम सोने का सिर हो। तो, नबूकदनेस्सर स्पष्ट रूप से पहला है।

खैर, फिर बाकी सभी-शायद वे भी राजा हैं। सुझाव यह है कि वे दानियेल की पुस्तक में वर्णित चार राजा हैं। तो, नबूकदनेस्सर सोना होगा।

बेलशस्सर चांदी का होगा। और याद रखें, उसे निश्चित रूप से नबूकदनेस्सर से कमतर के रूप में चित्रित किया गया है। तीसरा व्यक्ति दारा होगा।

लेकिन कोई भी वास्तव में नहीं जानता कि वह वास्तव में कौन है। इसलिए, यह कहना मुश्किल है कि उसने पूरी धरती पर कैसे शासन किया। साइरस चौथा राजा है जिसका नाम साइरस है।

और यह, बेशक, परमेश्वर का राज्य है। अब, ये विचार, अध्याय 2 में साम्राज्यों के बारे में लोगों का जो भी दृष्टिकोण है, वह आम तौर पर अध्याय 7 में साम्राज्यों के बारे में उनका दृष्टिकोण होगा, इस एक को छोड़कर। यह केवल अध्याय 2 पर लागू होता है। विशेष रूप से, ये चार राजा।

जब हम 7 तक पहुंचेंगे, तो हम इस बारे में और बात कर सकते हैं। तो, यह एक बहुत ही जटिल मुद्दे का एक बहुत ही सरल प्रतिपादन है जिस पर हम बाद में और अधिक समय बिताएंगे। मैं यह कहना चाहता हूँ कि कुछ चीजों के समान, जिनके बारे में हमने देर से तिथि और प्रारंभिक तिथि के बारे में बात की थी, जहां कभी-कभी उन विचारों को रूढ़िवाद के लिए लिटमस टेस्ट माना जाता है, वही यहां भी लागू होता है।

इसलिए, परंपरागत रूप से कहें तो, यह यूनानी दृष्टिकोण आलोचनात्मक विद्वानों का रहा है, जो लोग दानियेल के लिए बाद की तारीख को मानते हैं, जबकि यह वह दृष्टिकोण है जिसे अधिकांश रूढ़िवादी विद्वानों ने रखा है। और इसलिए, यदि आप इस दृष्टिकोण को रखते हैं, तो यह कहने की प्रवृत्ति होती है कि, ओह, आप इस दृष्टिकोण को नहीं रख सकते। आपके पास दानियेल के बारे में एक देर की तारीख, एक बुरा दृष्टिकोण होना चाहिए, आप बाइबल को सच नहीं मानते हैं, जो भी हो।

ऐसा होता है। मैंने साहित्य पढ़ा है, और यह सब वहाँ मौजूद है। लेकिन यह वास्तव में उचित नहीं है।

जब हम अध्याय 2 में इस पहली पर आते हैं, तो हमें वास्तव में अध्याय 7 और अध्याय 8 को देखना होगा, क्योंकि वे सभी तीन अध्याय इस कल्पना का अलग-अलग तरीकों से उपयोग करते हैं। और यदि आप डैनियल को साहित्य के एक टुकड़े के रूप में देखने जा रहे हैं, तो मुझे लगता है कि आपको इस तथ्य का सम्मान करना होगा कि शायद इन तीन अलग-अलग अध्यायों के साथ कुछ साहित्यिक चल रहा है। पुनः, यह उससे कहीं अधिक है जो मैं आपको केवल अध्याय 2 में दे सकता हूँ। आपको अध्याय 7 या अध्याय 8 के लिए बने रहना होगा। मेरे कार्डों को मेज पर रखते हुए मेरा व्यक्तिगत विचार यह है क्योंकि मुझे लगता है कि यह इसका सबसे अच्छा अर्थ है मूलपाठ।

ऐतिहासिक मुद्दों को छोड़ दें, तो मुझे लगता है कि जब हम डैनियल की किताब पर ध्यान देते हैं तो यह पाठ का सबसे अच्छा अर्थ निकालता है। फिर, मैं इसके बारे में और बाद में बताऊंगा, लेकिन शायद अभी इसके लिए इतना ही काफी है। आइए इस अध्याय को श्लोक 46 से 49 तक समाप्त करें।

46 तब राजा नबूकदनेस्सर ने मुंह के बल गिरकर दानियेल को दण्डवत की, और आज्ञा दी, कि उसके लिये भेंट और धूप चढ़ाया जाए। **47** राजा ने दानियेल को उत्तर दिया, “सचमुच, तेरा परमेश्वर देवताओं का परमेश्वर, राजाओं का प्रभु, और भेदों को खोलनेवाला है; क्योंकि तू इस भेद

को खोलने में समर्थ हुआ है।”

48 तब राजा ने दानियेल को बड़ा सम्मान और बहुत से बड़े बड़े उपहार दिए, और उसे बाबुल के सारे प्रान्त पर हाकिम और बाबुल के सब पण्डितों पर प्रधान प्रधान नियुक्त किया। **49** दानियेल ने राजा से प्रार्थना की, और उसने शद्रक, मेशक और अबेदनगो को बेबीलोन प्रान्त के मामलों पर नियुक्त किया। परन्तु दानियेल राजा के दरबार में ही रहा।

इन अंतिम तीन छंदों में, नबूकदनेस्सर डैनियल के ईश्वर के श्रेष्ठ ज्ञान का जवाब देता है, अध्याय की घटनाओं को समाप्त करता है, और फिर वह अपने चेहरे पर गिर गया और डैनियल को श्रद्धांजलि दी।

यह वास्तव में एक आराधना का कार्य है जो वह कर रहा है। संभवतः जो हो रहा है वह यह है कि वह दानियेल को अपने परमेश्वर के प्रतिनिधि के रूप में पहचानता है। इसलिए दानियेल के सामने झुककर वह दानियेल के परमेश्वर का सम्मान कर रहा है।

शायद यही हो रहा है। कुछ लोगों ने पूछा है कि दानियेल ऐसा करने से मना क्यों नहीं करता। उसे राजा को अपनी पूजा नहीं करने देनी चाहिए। खैर, दानियेल के लेखक के लिए, शायद यह अधिक महत्वपूर्ण है कि इस शक्तिशाली गैर-यहूदी राजा को पराजित ईश्वर के सेवक के सामने झुकते हुए दिखाया जाए।

शायद यही बात है जिसमें कथावाचक की थोड़ी ज़्यादा दिलचस्पी है। राजा क्यों नहीं? राजा इस व्याख्या पर कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं देता? वह इससे परेशान क्यों नहीं है? खैर, मुझे नहीं पता, क्या आप इससे परेशान होंगे? आप सोने के सिर हैं। जब तक यह सब होता है, तब तक आप दृश्य से बहुत दूर जा चुके होते हैं।

इसलिए, वास्तव में ऐसा कोई कारण नहीं है जिसके बारे में मैं सोच सकता हूँ कि नबूकदनेस्सर को इस सपने से क्यों परेशानी हुई होगी। वह बहुत अच्छा दिख रहा है। पुराने नियम में एक और पात्र है जिसकी प्रतिक्रिया कुछ इसी तरह की है।

2 राजा, हिजकिय्याह में, यशायाह हिजकिय्याह को भविष्यवाणी करता है कि यरूशलेम किसी समय नष्ट हो जाएगा, लेकिन हिजकिय्याह मेरी निगरानी में नहीं है, मैं अच्छा हूँ, जो शायद भगवान के चुने हुए राजा के लिए बिल्कुल सही प्रतिक्रिया नहीं है। फिर भी, नबूकदनेस्सर ने इस सपने में इसे बनाया है। कुछ लोगों ने भगवान के प्रति नबूकदनेस्सर की प्रतिक्रिया के बारे में सोचा है।

क्या यह किसी तरह का धर्म परिवर्तन है? वह स्वीकार कर रहा है कि परमेश्वर कौन है। नहीं, ऐसा नहीं है, कम से कम इस समय तो नहीं। नबूकदनेस्सर बहुदेववादी है।

उसके पास सभी तरह के देवता हैं। और यहाँ वह यह स्वीकार कर रहा है कि दानियेल का परमेश्वर सबसे अधिक बुद्धि और ज्ञान वाला परमेश्वर है। कम से कम इन श्रेणियों में तो दानियेल का परमेश्वर श्रेष्ठ है।

तो, शायद उसने अपने देवताओं की सूची में एक और देवता को जोड़ लिया है। वह स्वीकार कर रहा है कि वह एक ऐसे राजा का विषय है जो उससे बड़ा है। या कम से कम इस समय तो वह यह स्वीकार कर रहा है कि उसका राजत्व उसे किसी महान व्यक्ति द्वारा दिया गया है।

यह हमें अध्याय 2 के अंत में ले आता है, जहाँ हम अध्याय 3 में आग की भट्टी की ओर बढ़ रहे हैं।

यह डॉ. वेंडी विडर द्वारा दानियेल की पुस्तक पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 5, दानियेल 2 है।